बोरबन- एक "हगन्दरी मुक्त गाँव"

बोरबन, महाराष्ट्र में अहमदनगर जिले के संगमनेट तालुका में लगभग 185 परिवारों का एक छोटा समुदाय है। आज ग्रामीणों में अपने प्रति उपलब्धि की भावना और साहस है क्योंकि सभी परिवारों ने वैयक्तिक पारिवारिक शौचालयों का निर्माण किया है। यह बदलाव तब शुरू हुआ जब गाँव ने संत गंज बाबा स्व्च्छता अभियान में सक्रिय होकर भाग लेना शुरू किया और जिला स्तर की प्रतियोगिता में ग्राम द्वितीय आया। तथापि, खुले में शौच की प्रथा से गाँव ने कुछ महत्वपूर्ण अंक गंवाए।

गाँव ने अत: अपने यहां खुले में शौच की प्रथा को समाप्त करने की चुनौती को अपनाया। प्रत्येक परिवार ने एक पारिवारिक शौचालय बनाने का निर्णय लिया है। चूँकि वह एक मंदी का समय था, लोगों के पास इतने वित्तीय संसाधन भी नहीं थे कि वे एक निम्न लागत का शौचालय बनवाने हेतु सामग्री तक खरीद सकें। गाँव के सरपंच ने निर्माण सामग्री की गारंटी की सहमति दी, ताकि लोग स्थानीय बाजार से ऋण पर सामान खरीद सकें। जिला प्रशासन ने ग्रामीणों को निम्न लागत प्रौद्योगिकी के बारे में बताया ताकि प्रत्येक व्यक्ति अपनी भुगतान क्षमता के अनुसार शौचालय का निर्माण कर सकें।

किसी निर्देशात्मक प्रौद्योगिकी के अभाव में बहुत प्रकार के शौचालय विभिन्न-विभिन्न लागतों में बनावाए गए।

अब गाँव में यदि किसी को भी पारंपरिक अभ्यास करते पाया जाता है तो उस पर दंड लगाया जाता है। समुदाय की एकता और स्तर संपूर्ण जिले के लिए एक मॉडल बन गया है।